

निगरानी और फीडबैक: प्राथमिक भाषा और साक्षरता

हिन्दी

कमेंट्री:

इस प्राथमिक शाला में, अलग अलग भाषा व बोलियों वाली पृष्ठभूमि के लगभग ९० विद्यार्थी, एक ही शिक्षक के साथ पढते हैं।

एक कमरे की इस बहुवर्गीय शाला को - एक अधूरी दीवार बाँटती है, जो कक्षा १ और २ के विद्यार्थियों को भी, बाकी विद्यार्थियों से अलग करती है।

कक्षा ३ की दो खड़ी कतारें, कक्षा ४ की दो खड़ी कतारें, और कक्षा ५ की तीन खड़ी कतारें, एक ही जगह साथसाथ बैठती हैं।

इस पाठ में शिक्षक प्रभावी फीडबैक का प्रदर्शन करते हैं। हालाँकि उनके लिए, इस छोटी-सी जगह में हरेक विद्यार्थी की नजदीक से निगरानी करना नामुमकिन है, फिर भी, वह कुछ ऐसी तकनीकों को काम में लाते हैं, जिनसे यह सुनिश्चित हो सके, कि कक्षा की गतिविधियों के दौरान, सभी को अपने महत्वपूर्ण होने का एहसास हो।

शुरुआत में शिक्षक कक्षा ३, ४ और ५ को कुछ जानेमाने व्यक्तियों के जीवन के बारे में अलग अलग पाठ पढ़ने के लिए कहते हैं।

शिक्षक: चलिए, कक्षा तीसरी वाले, आपकी 'भाषा भारती' निकालिए। उसमें पाठ ११ है, 'काला धब्बा'। ऐसा विवेकानंद का फोटो मंडा हुआ होगा। इसे आपको पढ़ना है। लेकिन, मन-मन में पढ़ना है। मौन वाचन...

कमेंट्री:

विद्यार्थियों के पढ़ने का संक्षेप में अवलोकन करने के बाद, शिक्षक कक्षा १ और २ में जाकर, वर्णों पर आधारित एक worksheet बाँटते हैं।

शिक्षक: जिसको जिसको नाम लिखना आता है, अपना अपना नाम लिखना, पर्चे के उपर, है ना?

विद्यार्थी: हाँ, sir, जी।

शिक्षक: यह बीचमें गोला बनाना है। ऐसे गोले बनाना, और उसको मिलाना है। ये देखो, ये भैया कर रहा है, ऐसे करना है। यह देखो! ये जैसे गोला बनाया, ये जैसे मिल गया, ढूँढ-ढूँढ कर, गोले बना कर, ऐसे line से, मिला रिया है।

विद्यार्थी: Sir जी, sir जी.....

शिक्षक: हाँ, पुष्पा और दो - तुम सहेली-सहेली साथमें कर लेना, हाँ?

कमेंट्री:

शिक्षक कक्षा ३ और ४ में लौटते हैं, और जोड़े में काम की एक गतिविधि की शुरुआत करवाते हैं, जिसमें उन्हें पाठ में से विलोम शब्द ढूँढने हैं।

ध्यान दीजिए, कैसे वह अपने विद्यार्थियों को इस कार्य में, एकदूसरे की मदद करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

शिक्षक: अब, छोटा! इसका आपको लिखना है। अगर नहीं आये, तो अपने पड़ोसी से पूछ सकते हैं।

शिक्षक साक्षात्कार:

छोटा बच्चा जब किसी दूसरे बच्चे को समझाता है तो उसको सुनने की क्षमता वो रहती है वो ज्यादा रहती है। उसको ऐसा लगता है कि, 'मेरे बराबर का बच्चा है, और मुझे समझा रहा है', मतलब उसके सीखने की या सुनने की इच्छा ज्यादा जागृत होती है।

कमेंट्री:

फिर वह कक्षा ५ की तरफ जाते हैं।

शिक्षक: मैं आपको, यहाँ पर, एक क्रिया बताऊँगा। और उसका वाक्य बनाके बताऊँगा और आपको वाक्य बनाना है अपनी मर्जी से।

जैसे, यह लिख दिया मैंने, 'गाना'।

कमेंट्री:

शिक्षक अपनी कक्षा के साथ लगातार बातचीत करते हैं। अपने विद्यार्थियों को नाम से बुलाकर वह अपने फीडबैक और प्रशंसा में अपनापन महसूस करवाते हैं। उनके विद्यार्थियों को अपने साथी से फीडबैक पाने का भी मौका मिलता है, जब वे एकदूसरे के काम को आपस में बदलकर उसकी जाँच

करते हैं।

शिक्षक: आप लोगों ने बनाया है।

विद्यार्थी: हाँ।

शिक्षक: लक्ष्मी, बहुत अच्छे, शाब्बास!

शाब्बास! तुम सब ने सही-सही बनाया है! क्या बात है भई?

विद्यार्थी: लो, sir जी...

विद्यार्थी: हमको हमारा नाम नहीं आता।

शिक्षक: कोई बात नहीं, मैं लिखना बता दूँगा।

देखो, यहाँ पर, गलती करी किसी बच्चे ने, देखो। यह, इसमें सभी को मिला दिया है। सभी को नहीं मिलाना है। सुनो, कैसे कैसे करना है। यह 'ज' है, अब ऐसा का ऐसा 'ज' ढूँढा - यहाँ पे, फिर यह इसको मिला दिया। यह 'म' को क्यों मिलाया? ये तो 'ल' है, बीचमें तो। यह 'ल' को मिलाना था।

शिक्षक साक्षात्कार:

सबसे पहली बात तो ये कि, इतने सारे बच्चों को एकसाथ पढ़ाना, और उनका निरीक्षण करने में - हर तीन या चार मिनट में एक बार, सब बच्चों पे निगाह जाना चाहिए उसकी, कि कौन बच्चा क्या कर रहा है?

और अगर वो थोडासा भी काम करे, भले उसमें गलत करे, कुछ कोशिश तो करी है, उसको थोडासा प्रोत्साहित करें।

तो प्रोत्साहन से काम करने की गति, दस गुना बढ जाती है।

शिक्षक: चलो, तीसरी और चौथी वाले बच्चे! आप लोग मेरी बात सुनो! आप लोगों ने सबने काम कर लिया?

विद्यार्थी: हाँ।

शिक्षक: तो आप लोग एकदूसरे से कॉपी बदल लो। देखो, किसने सही करा, किसने गलत करा है।

मैं यहाँ पर उत्तर लिख रहा हूँ, आप लोगों को check करना है। 'अंदर' का?

विद्यार्थी: 'बाहर'।

शिक्षक: 'बाहर'। रवि, खडे हो जाओ। चलो, आपकी कॉपी बताओ मुझे।

शाब्बास! लाइए कॉपी।

'आना' का 'जाना', 'अंदर' का 'बाहर'. शाब्बास!

देखते जाइए, जिसका जिसका हो रहा है।

'छोटा' का 'बड़ा', 'सफेद' का 'काला', 'अच्छा' का 'बुरा', 'आना' का 'जाना', 'अंदर' का 'बाहर', शाब्बास!

'गुण' का 'दोष', 'छोटा' का 'बड़ा', 'अंदर' का 'बाहर', 'बुरा', 'आना' 'जाना', 'बाहर', सही है। शाब्बास!

सड़क वाला 'ड़' आएगा, 'बड़ा'। है ना? 'ढ' ढक्कन का - नहीं आएगा इसमें!

पाँचवीं वाले! मैंने आपको वाक्य बनाने के लिए कहा था।

विद्यार्थी: हाँ।

शिक्षक: अब, इसका एक तरीका यह है, कि आप लोग पास पास में बैठे हो, तो एकदूसरे की कॉपी बदल के देखो पहले, कि सही लिखा कि गलत लिखा? फिर मैं check करूँगा आपकी कॉपी। हाँ, बदल लो, एकदूसरे से। शाब्बास!

आप भी बदल लो, मनोज! पीछे, उससे बदल लो।

विद्यार्थी: Sir जी, बदल नहीं रहा!

शिक्षक: हाँ, बदल लो, कोई बात नहीं, बदल लो।

अर्जुन दौड़ता है। Very good! शाब्बास! क्रिया शब्द भी आ रहे हैं ना, इसमें। खेलती है, हँसता है, दौड़ता है, यानि कि आपने सही वाक्य बनाये हैं।

आप का? राम खेलता है, मनोज हँसता है। अर्जुन दौड़ता है। Good!

'दौड़ता' में दो मात्रा लगना थीं।

शिक्षक साक्षात्कार:

सब बच्चों को एकसाथ निरीक्षण करना थोडासा कठिन लगता है। लेकिन क्या है कि जैसे अपन बच्चों से कॉपीयाँ बदलवा लेते हैं, तो थोडासा उसमें एक class, जो बडी class है, वो manage हो जाती है।

छोटी - पहली और दूसरी को तो, अपने को ही manage करना पडता है। और उनको अपने को special रूप से देखना पडता है।

कमेंट्री:

यहाँ देखी गई फीडबैक की तकनीकों में से कौनसी - आप अपनी कक्षा में अपना सकते हैं?